Volume 11, Issue 136, August 2025

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Jagannath Ratha Yatra—A Divine Festival of Chariots

(27 June 25)
(ISKCON, Chhipiwara)

A grand Jagannath Ratha Yatra was organized with over 350 devotees participating in an ocean of kirtan, devotion, and joy. A beautifully handcrafted Ratha, prepared by the Youth Ashraya team, carried the divine deities of Sri Sri Jagannatha, Baladeva, and Subhadra Maharani, who were brought directly from Jagannatha Puri Dham. The streets of Delhi echoed with Harinam Sankirtan as devotees danced, pulled the Ratha, and honoured the Lord. The youth team designed exquisite outfits and flower decorations, while prasadam, including khichdi, fruits, mangoes, and juices, was lovingly distributed. The Yatra concluded with a heartfelt class by H.G. Rasraj Prabhu and an Odia-style feast. This event strengthened the devotees' bond with Lord Jagannath and elevated their devotional spirits.

IGF performs Arati (29th June)

(IGF, ISKCON East of Kailash)

ISKCON Girls' Forum performed an arati for Lord Jagannatha, Baladeva and Subhadra. This was one of the highlights of the Ratha Yatra, conducted by ISKCON, East of Kailash.

समाचार

जगन्नाथ रथ यात्रा – एक दिव्य रथयात्रा महोत्सव

(27 जून 2025)
(इस्कॉन, छिपीवाड़ा)

एक भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें 350 से अधिक भक्तों ने कीर्तन, भक्ति एवं आनंद के सागर में गोता लगाया। युवा आश्रय समूह द्वारा निर्मित एक सुंदर हस्तनिर्मित रथ पर श्री श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी के दिव्य विग्रहों को विराजमान किया गया, जिन्हें सीधे जगन्नाथ पुरी धाम से लाया गया था। दिल्ली की सड़कों पर हरिनाम संकीर्तन की गूंज के मध्य भक्तों ने नृत्य किया, रथ खींचा तथा भगवान् का सम्मान किया। युवा टीम ने मनोहारी वस्त्र एवं पुष्प सजावट की योजना बनाई तथा प्रसाद में खिचड़ी, फल, आम और जूस प्रेमपूर्वक वितरित किए गए। यात्रा का समापन श्रीमान रसराज प्रभु जी के भावपूर्ण प्रवचन और ओड़िया शैली के भोग के साथ हुआ। इस आयोजन ने भगवान् जगन्नाथ के प्रति, भक्तों के संबंध को और भी प्रगाढ़ किया एवं उनकी भक्ति भावना को ऊँचा उठाया।

आईजीएफ ने आरती की (29 जून)

(आईजीएफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन गर्ल्स फोरम ने भगवान् जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की आरती की। यह इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश द्वारा आयोजित रथ यात्रा का एक मुख्य आकर्षण था।

A special Rath Yatra by the kids!
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The Hare Krishna Sunday School at ISKCON Punjabi Bagh organized a vibrant Rath Yatra for all its students on the 8th of July. Over 150 children, along with their parents, joyfully participated in this unique and memorable celebration. The event was adorned with special dance offerings presented by the children in honour of Lord Jagannath. Remarkably, the entire Rath Yatra—from planning to execution—was managed by the students themselves. They enthusiastically led the kirtan, pulled the chariot, and rendered various services such as prasadam distribution. Guided and supported by their dedicated teachers, the students also engaged the parents, making this Rath Yatra a truly collective and heartwarming spiritual experience.

Disappearance day of Srila Sanatana Goswami
(10th July)
(ISKCON, East of Kailash)

The disappearance of Srila Sanatana Goswami was celebrated with pushpanjali amidst kirtan and chanting. Sanatana Goswami gave up an opulent life to surrender to Caitanya Mahaprabhu. He followed the instructions to resurrect the places of pastimes of Lord Krishna.

First month of Caturmasya (11th July)

The first month of Caturmasya, abstinence from green leafy vegetables, began from 11th July.

बच्चों द्वारा एक विशेष रथयात्रा !
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग स्थित हरे कृष्ण संडे स्कूल ने 8 जुलाई को अपने सभी छात्रों हेतु एक रंगारंग रथयात्रा का आयोजन किया। इस अनोखे एवं अविस्मरणीय उत्सव में 150 से अधिक बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ उल्लासपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने भगवान् जगन्नाथ की सेवा में विशेष नृत्य प्रस्तुतियाँ भी दीं, जिससे कार्यक्रम और भी सुंदर बन गया। उल्लेखनीय बात यह है कि पूरी रथयात्रा—योजना से लेकर आयोजन तक का प्रबंधन छात्रों ने स्वयं किया। उन्होंने उत्साहपूर्वक कीर्तन का नेतृत्व किया, रथ खींचा एवं प्रसाद वितरण सहित विभिन्न सेवाओं में योगदान दिया। अपने समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन व सहयोग से विद्यार्थियों ने अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया, जिससे यह रथयात्रा वास्तव में एक सामूहिक तथा हृदयस्पर्शी आध्यात्मिक अनुभूति बन गई।

श्रील सनातन गोस्वामी की तिरोभाव तिथि (10 जुलाई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील सनातन गोस्वामी की तिरोभाव तिथि की पुण्यस्मृति कीर्तन एवं मंत्रोच्चार के मध्य पुष्पांजलि अर्पण के साथ मनाई गई। सनातन गोस्वामी ने भगवान् श्री चैतन्य महाप्रभु की सेवा हेतु वैभवपूर्ण जीवन त्याग दिया। उन्होंने प्रभु की आज्ञा का पालन करते हुए श्रीकृष्ण के लीला-स्थलों का पुनः प्रकटिकरण किया।

चातुर्मास्य का प्रथम मास (11 जुलाई)

चातुर्मास्य का पहला महीना, जिसमें हरी पत्तेदार सब्ज़ियों से व्रत किया जाता है, 11 जुलाई से प्रारंभ हुआ।

Nine ways to Love Krishna!
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The ISKCON Teenage Girls Forum hosted a 3-day summer camp titled "Nine Ways to Love Krishna - the nine limbs of devotional service" in July. Each day began with ice-breakers: badminton, cooking, and games, followed by thoughtful sessions where each bhakti limb was explored through stories and engaging activities. A highlight was the Vandanam session, where the girls wrote letters to Srila Prabhupada, reflecting on their gratitude and spiritual growth. On the final day, all the girls shared realizations and appreciation for one another, creating a space of connection, sincerity, and friendship.

Online Shravan Utsava - Preparing the Heart for Janmashtami (14th July onwards)
(ISKCON, Chhipiwara)

ISKCON Chhipiwara began the special "Shravan Utsava" online series to help devotees build a deep spiritual mood for Janmashtami. Conducted daily at 9:15 PM by H.G. Alok Hari Prabhu on Zoom, the series focuses on hearing the Krishna Book and other Krishna katha in alignment with Srila Prabhupada's instruction to regularly hear about Krishna. Over 35 devotees consistently join every night, immersing themselves in the pastimes of the Lord. The series is not only enhancing scriptural understanding but also creating a vibrant and spiritually uplifting atmosphere during the sacred month of Shravan. The Shravan Utsava has become a daily nourishment for the heart, guiding devotees in developing a Janmashtami-ready consciousness centred on hearing and remembering Krishna's divine qualities and lilas.

Disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami
(15th July)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Gopala Bhatta Goswami's disappearance day was celebrated with pushpanjali, kirtan and chanting. Devotees prayed for the favour of the acharya.

कृष्ण से प्रेम करने की नौ विधियाँ!
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन टीनएज गर्ल्स फोरम ने जुलाई माह में एक तीन दिवसीय ग्रीष्म कालीन कैंप का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था – "कृष्ण से प्रेम करने की नौ विधियाँ – भक्ति के नौ अंगों पर आधारित कार्यशाला।" प्रत्येक दिन का आरंभ हल्के-फुल्के परिचयात्मक खेलों से हुआ जैसे – बैडमिंटन, भोजन बनाना एवं अन्य खेल, इसके पश्चात चिंतनपूर्ण सत्र हुए जहाँ कहानियों एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से भक्ति के प्रत्येक अंग का अन्वेषण किया गया। इस शिविर का विशेष आकर्षण वंदनम् सत्र रहा, जिसमें सभी बालिकाओं ने श्रील प्रभुपाद को पत्र लिखकर अपनी कृतज्ञता एवं आध्यात्मिक प्रगति पर विचार व्यक्त किए। अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों एवं भावनाओं को साझा किया, जिससे प्रेम, सच्चाई तथा मित्रता से परिपूर्ण एक आत्मीय वातावरण बन गया।

ऑनलाइन श्रवण उत्सव - जन्माष्टमी हेतु हृदय की तैयारी
(14 जुलाई से)
(इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

इस्कॉन छिपिवाड़ा ने भक्तों को जन्माष्टमी के लिए गहन आध्यात्मिक मनोदशा बनाने में सहायता करने हेतु विशेष "श्रवण-उत्सव" ऑनलाइन श्रृंखला आरम्भ की है। श्रीमान आलोक हरि प्रभु द्वारा जूम पर प्रतिदिन रात्रि 9:15 बजे आयोजित की जाने वाली यह श्रृंखला, श्रील प्रभुपाद द्वारा नियमित रूप से कृष्ण के विषय में श्रवण के निर्देश के अनुरूप कृष्ण पुस्तक एवं अन्य कृष्ण कथाओं के श्रवण पर केंद्रित है। 35 से अधिक भक्त प्रतिदिन रात्रि में नियमित रूप से जुड़ते हैं तथा स्वयं को भगवान् की लीलाओं में निमग्न कर लेते हैं। यह श्रृंखला न केवल शास्त्रीय ज्ञान को समृद्ध कर रही है, अपितु श्रावण मास के इस पावन महीने में एक जीवंत और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी वातावरण भी निर्मित कर रही है।

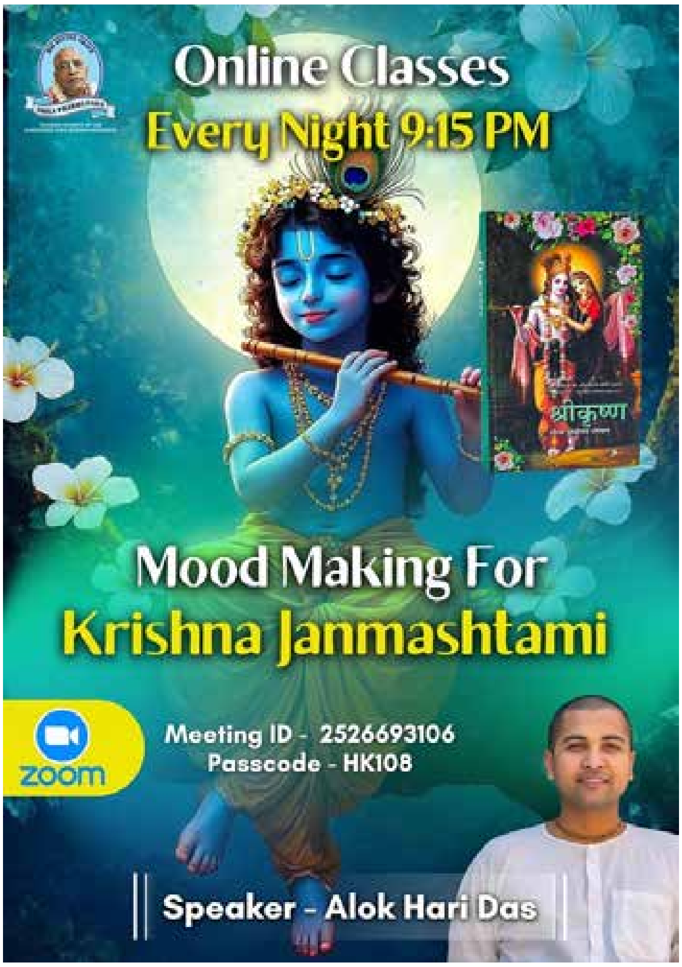

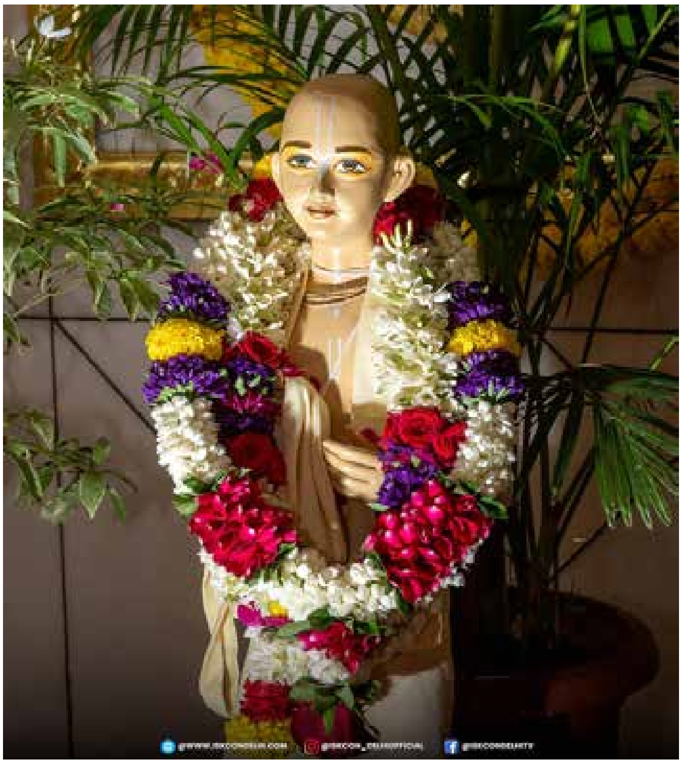

Disappearance Day of Srila Gopal Bhatta Goswami

(15th July)

(ISKCON, Chhipiwara)

ISKCON Chhipiwara solemnly observed the Disappearance Day of Srila Gopal Bhatta Goswami, one of the six Goswamis of Vrindavan and the founder of the worship of Sri Radha Raman Ji. The program began with an enlightening morning class glorifying his unmatched contributions to Gaudiya Vaishnavism, especially his role in preserving scriptures and initiating deity worship standards. Devotees then offered

श्रवण उत्सव अब हृदय के लिए एक दैनिक पोषण बन गया है, जो भक्तों को कृष्ण की दिव्य लीलाओं एवं गुणों के श्रवण तथा स्मरण के माध्यम से जन्माष्टमी हेतु एक उपयुक्त चेतना विकसित करने में मार्गदर्शन कर रहा है।

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी की तिरोभाव तिथि (15 जुलाई)

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी की तिरोभाव तिथि को पुष्पांजलि, कीर्तन एवं मंत्रोच्चार के साथ मनाया गया। भक्तों ने आचार्य की कृपा प्राप्ति हेतु की प्रार्थना अर्पित कीं।

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी की तिरोभाव तिथि (15 जुलाई)

(इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

इस्कॉन छिपिवाड़ा मंदिर में, वृंदावन के छह गोस्वामियों में से एक एवं श्री श्री राधा रमण जी की उपासना के प्रवर्तक श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ एक ज्ञानवर्धक प्रातःकालीन प्रवचन से हुआ जिसमें गौड़ीय वैष्णव परंपरा में उनके अतुलनीय योगदान, विशेष रूप से धर्मग्रंथों के संरक्षण एवं विग्रह पूजा पद्धतियों के आरम्भ में उनकी भूमिका का गुणगान किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालु भक्तों ने भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित की, आनंदमय कीर्तन में भाग लिया एवं गहन स्मरण करते हुए महाआरती में शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस पुण्य अवसर ने भक्तों को गोस्वामी जी की भक्ति, सरलता एवं उनके पूर्ण समर्पण के प्रति, गहन कृतज्ञता से भर दिया, जिससे सभी में, श्री चैतन्य महाप्रभु के मिशन में, हमारे आचार्यों के पदचिन्हों का अनुसरण करने की नवीन प्रतिबद्धता जागृत हुई।

heartfelt puspanjali, participated in soulful kirtan, and honored maha-arati in deep remembrance. The program concluded with delicious prasadam. The occasion inspired devotees to deepen their appreciation for the Goswami's devotion, simplicity, and unflinching surrender, leaving everyone with a renewed commitment to following the footsteps of our acharyas in serving Sri Chaitanya Mahaprabhu's mission.

Temple Leaders' Spiritual Retreat in Haridwar
(15-17th July)
(ISKCON, Dwarka)

Recently, senior leaders participated in a spiritually uplifting retreat held in Haridwar, on the sacred banks of the Ganges River. The retreat featured profound scriptural discussions, collective chanting of the holy names, and focused sessions exploring leadership rooted in devotion.

Launch of IVEO 2025 Books
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The International Value Education Olympiad (IVEO) 2025 books were ceremoniously launched on 19th July 2025 at ISKCON Punjabi Bagh by first offering them to Their Lordships Sri Sri Radha Radhika Raman ji and Srila Prabhupada, marking a sacred beginning to this value-driven educational journey. The launch took place in the esteemed presence of H.G. Rukmini Krishna Prabhu – Regional Secretary Assistant (ISKCON NCR, Punjab & Chandigarh), H.G. Murali Krishna Prabhu – Co-President, ISKCON Punjabi Bagh, H.G. Vaikuntha Vraj Prabhu – Co-President, ISKCON Punjabi Bagh, H.G. Karuna Chandra Prabhu – Head & Director, IVEO. These books are thoughtfully designed by a team of school heads, professors, and educationists to engage modern students through a blend of values, sustainability, and real-life learning. More about the Value Education Olympiad and its registrations can be known at www.veolympiad.com

Vyuha - Discourse, Drama and Devotion
(ISKCON, Punjabi Bagh)

In the run up to Janmashtami, the ISKCON Girls Forum organized VYUHA, a spiritually enriching celebration that brought together hearts in devotion and reflection. The event opened with a powerful drama based on the life of a devotee named Adhiya. The highlight of the program was a thought-provoking lecture by H.G. Pandav Sakhi Mataji,

हरिद्वार में मंदिर प्रमुखों का आध्यात्मिक संग (15-17 जुलाई)
(इस्कॉन, द्वारका)

हाल ही में, मंदिर के वरिष्ठ नेतृत्व ने हरिद्वार में गंगा नदी के पावन तट पर आयोजित एक आध्यात्मिक उत्थानकारी एकांतवास में भाग लिया। इस एकांतवास में गहन शास्त्रीय वार्ताएं, पवित्र नामों का सामूहिक संकीर्तन तथा भक्ति-आधारित नेतृत्व पर केंद्रित विशेष सत्र आयोजित किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड (IVEO) 2025 पुस्तकों का लोकार्पण
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड (IVEO) 2025 की पुस्तकों का लोकार्पण 19 जुलाई 2025 को इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर के समारोह में भव्य रूप से किया गया। इन्हें सर्वप्रथम, श्री श्री राधा राधिका रमण जी एवं श्रील प्रभुपाद को समर्पित किया गया, जिससे इस मूल्य-आधारित शैक्षिक यात्रा का एक पावन शुभारम्भ हुआ। यह लोकार्पण श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु - क्षेत्रीय सचिव सहायक (इस्कॉन एनसीआर, पंजाब एवं चंडीगढ़), श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु - सह-अध्यक्ष, इस्कॉन पंजाबी बाग, श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु - सह-अध्यक्ष, इस्कॉन पंजाबी बाग, श्रीमान करुणा चंद्र प्रभु - प्रमुख एवं निदेशक, IVEO की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। ये पुस्तकें स्कूल प्रमुखों, प्राध्यापकों एवं शिक्षाविदों की एक समर्पित टीम द्वारा विचार पूर्वक निर्मित की गई हैं जिससे कि आधुनिक विद्यार्थियों को मूल्यों, स्थिरता एवं जीवनोपयोगी शिक्षा के समन्वय के माध्यम से जोड़ा जा सके। वैल्यू एजुकेशन ओलंपियाड तथा इसके पंजीकरण के विषय में अधिक जानकारी www.veolympiad.com पर प्राप्त की जा सकती है।

व्यूह - प्रवचन, नाटक एवं भक्ति
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जन्माष्टमी से पूर्व आयोजनों की श्रृंखला में, इस्कॉन गर्ल्स फोरम द्वारा व्यूह नामक आध्यात्मिक रूप से समृद्ध एक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसने भक्ति एवं आत्मचिंतन में सभी के हृदयों को जोड़ा। कार्यक्रम का आरम्भ अधिया नामक एक भक्त के जीवन पर आधारित एक प्रभावशाली नाटक से हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्रीमति पांडव सखी माताजी का गहन विचारपूर्ण व्याख्यान था, जिसमें उन्होंने

who spoke on the importance of accepting correction with humility in devotional life. Mataji also reflected on the profound inner transformation that naturally unfolds when one begins the journey of bhakti—highlighting changes in thought, behaviour, and purpose. The VYUHA celebration was a beautiful blend of drama, discourse, and devotion, leaving attendees inspired to walk the path of Krishna consciousness with deeper sincerity and self-awareness.

Prabhupada's Arrival Festival (25th July 25)
(ISKCON, Chhipiwara)

ISKCON Chhipiwara joyfully celebrated the 58th anniversary of Srila Prabhupada's historic arrival at the Chhipiwara temple on 25th July 1967. This divine occasion marked his return from the West and stay at this holy place before going to Vrindavan. To honor this milestone, a 24-hour Harinam Sankirtan was conducted, along with morning glorification (7:00–10:00 AM) and evening offerings (6:00–9:00 PM). Senior devotees shared pastimes and realizations about Srila Prabhupada's presence and preaching during those days. Everyone was invited to join with heartfelt offerings, kirtan, and prasadam distribution.

Kargil Vijay Diwas Celebrationfi Honoring Our Bravehearts (25th July 25)
(ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka hosted a special event to commemorate the 26th anniversary of Kargil Vijay Diwas, paying tribute to the courageous soldiers of the Indian Army who laid down their lives during the Kargil War. The event included a Shanti Yagya, prayers for national peace, inspirational talks, and a special arati for soldiers and their families. The celebration

भक्तिमय जीवन में विनम्रतापूर्वक सुधार को स्वीकार करने के महत्व पर प्रकाश डाला। माताजी ने यह भी बताया कि जब कोई व्यक्ति भक्ति की यात्रा आरंभ करता है, तो उसके विचारों, व्यवहार एवं जीवन के उद्देश्य में स्वाभाविक रूप से एक गहन आंतरिक रूपांतरण की प्रक्रिया आरंभ हो जाती है। व्यूह समारोह नाटक, प्रवचन एवं भक्ति का एक सुंदर समागम था, जिसने उपस्थित लोगों को कृष्णभावनामृत के मार्ग पर गहन निष्ठा एवं आत्मचेतना के साथ आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

प्रभुपाद आगमन महोत्सव (25 जुलाई 2025)
(इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

इस्कॉन छिपिवाड़ा ने 25 जुलाई 1967 को, छिपिवाड़ा मंदिर में श्रील प्रभुपाद के ऐतिहासिक आगमन की 58वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास से मनाई। यह पावन अवसर पश्चिमी देशों से उनके आगमन एवं वृंदावन गमन से पूर्व, इस पवित्र स्थल पर उनके प्रवास का प्रतीक था। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, 24 घंटे का हरिनाम संकीर्तन आयोजित किया गया, साथ ही प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रभुपाद महिमा वर्णन एवं संध्या 6:00-9:00 बजे तक प्रसाद वितरण भी किया गया। वरिष्ठ भक्तों ने उन दिनों में श्रील प्रभुपाद की उपस्थिति एवं उनके उपदेशों से जुड़ी लीलाओं एवं अनुभूतियों को साझा किया। सभी श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक कीर्तन, भक्ति-समर्पण तथा प्रसाद वितरण में भाग लेने हेतु आमंत्रित भी किया गया।

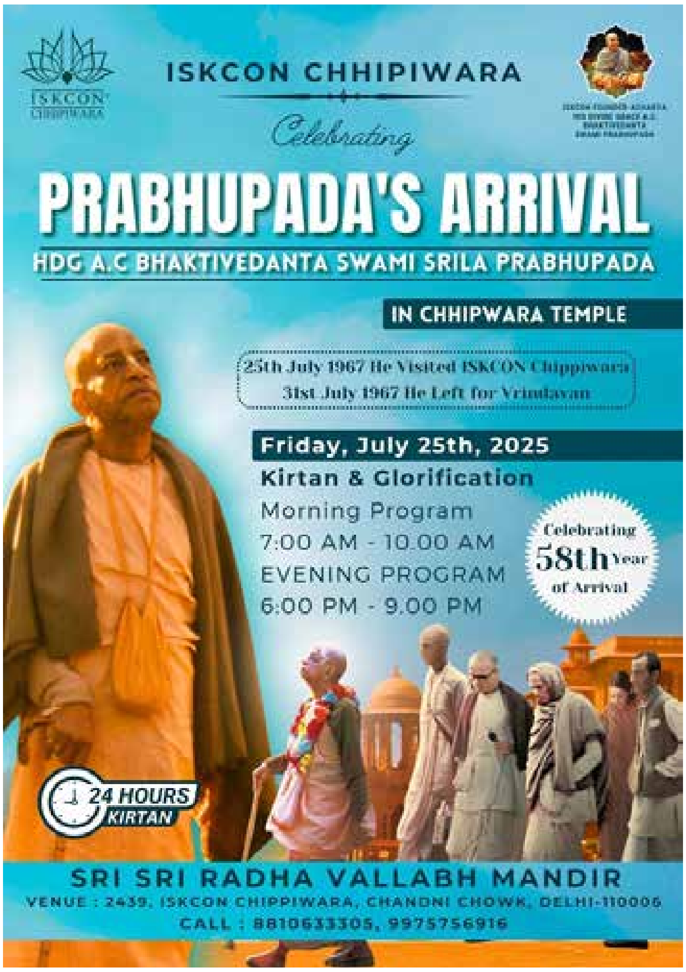

कारगिल विजय दिवस समारोह - हमारे वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि (25 जुलाई 2025)
(इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका ने कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

also featured Harinam Sankirtan, prasadam distribution, and gift hampers for invited families. This event celebrated heartfelt gratitude and support for the heroes who safeguard our freedom.

Nandagaon Yatra: Relishing Krishna„s Childhood Pastimes (29th July)
(ISKCON Namahatta, East of Kailash)

Namahatta department organized a blissful one-day yatra to Nandagaon, where Krishna and Balaram joyfully herded cows and performed Their childhood pastimes. Guided by H.G. Sarvapriya Prabhu and managed by H.G. Sitarama Hari Prabhu with his team, around 345 devotees visited sacred sites like Nanda Bhavan, Pavan Sarovar, Vrinda Kund, Moti Kund, Ter Kadamba, and Aasheshwar Mahadev temple, soaking in kirtan, soul-stirring katha, and prasadam. The comfortable, well-managed journey—complete with breakfast and dinner prasadam—left devotees' hearts uplifted, eager for more spiritual association and future dham yatras.

Janmashtami Preparations
(ISKCON, Punjabi Bagh)

With Janmashtami less than a month away, the temple is bustling with activities, planning and meetings. Every year over one lakh guests visit the Punjabi Bagh temple on the all-auspicious day of Janmashtami. The build up to the big day includes planning the theme, logistics, crowd management, stage acts, activations, invitations and much more! Like the past few years, the Janmashtami celebrations will be taking place at 2 venues - the temple itself and the Punjabi Bagh club. This is being done to accommodate and host each visitor in the best way possible.

इस कार्यक्रम में शांति-यज्ञ, राष्ट्रीय शांति हेतु प्रार्थना, प्रेरणादायक व्याख्यान तथा सैनिकों व उनके परिवारों हेतु एक विशेष आरती भी आयोजित की गई। इस समारोह में हरिनाम संकीर्तन, प्रसाद वितरण एवं आमंत्रित परिवारों को उपहार भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले वीरों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता तथा समर्थन व्यक्त किया गया।

नंदगाँव यात्रा: कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद (29 जुलाई)
(इस्कॉन नमहट्टा, ईस्ट ऑफ़ कैलाश)

नमहट्टा विभाग ने नंदगाँव की एक आनंददायक एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया, जहाँ कृष्ण और बलराम ने आनंदपूर्वक गाय चराई और अपनी बाल लीलाएँ कीं। परम पूज्य सर्वप्रिय प्रभु के मार्गदर्शन और परम पूज्य सीताराम हरि प्रभु व उनकी टीम द्वारा प्रबंधित, लगभग 345 भक्तों ने नंद भवन, पावन सरोवर, वृंदा कुंड, मोती कुंड, तेर कदंब और आशेश्वर महादेव मंदिर जैसे पवित्र स्थलों का दर्शन किया और कीर्तन, भावपूर्ण कथा और प्रसाद का आनंद लिया। नाश्ते और रात्रि भोजन के प्रसाद सहित आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा ने भक्तों के हृदय को उत्साहित कर दिया और उन्हें और अधिक आध्यात्मिक संगति तथा भविष्य की धाम यात्राओं के लिए उत्सुक कर दिया।

जन्माष्टमी की तैयारियाँ
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जन्माष्टमी आने में एक महीने से भी कम समय शेष है, और मंदिर में तैयारियाँ, योजनाओं एवं बैठकों की हलचल जोरों पर है। प्रति वर्ष जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पंजाबी बाग मंदिर में एक लाख से अधिक भक्त दर्शन हेतु पधारते हैं। इस विशेष दिन की तैयारियों में थीम तय करना, व्यवस्था की योजना, भीड़ प्रबंधन, मंचीय प्रस्तुतियाँ, कार्यक्रम, निमंत्रण और भी बहुत कुछ शामिल होता है ! पिछले कुछ वर्षों की भाँति इस वर्ष भी जन्माष्टमी उत्सव दो स्थानों पर आयोजित किया जाएगा - मंदिर परिसर में तथा पंजाबी बाग क्लब में। यह व्यवस्था इसलिए की जा रही है जिससे हर आगंतुक का स्वागत सर्वोत्तम रूप से किया जा सके।

Upcoming events:

Sloka - A way to Goloka!
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Starting August 1, H.G. Premanjana Prabhu will be facilitating Sloka Memorization sessions every day. The sessions will focus on Chapter 10 of the Bhagavad Gita - a chapter that reveals Krishna's opulence and his supremacy in a deeply meditative way. The sessions are structured yet simple - open to all, whether continuing from earlier modules or joining for the first time. This edition of sloka memorization by ISKCON Punjabi Bagh follows other editions where chapter 7,8,9 and 12 were covered.

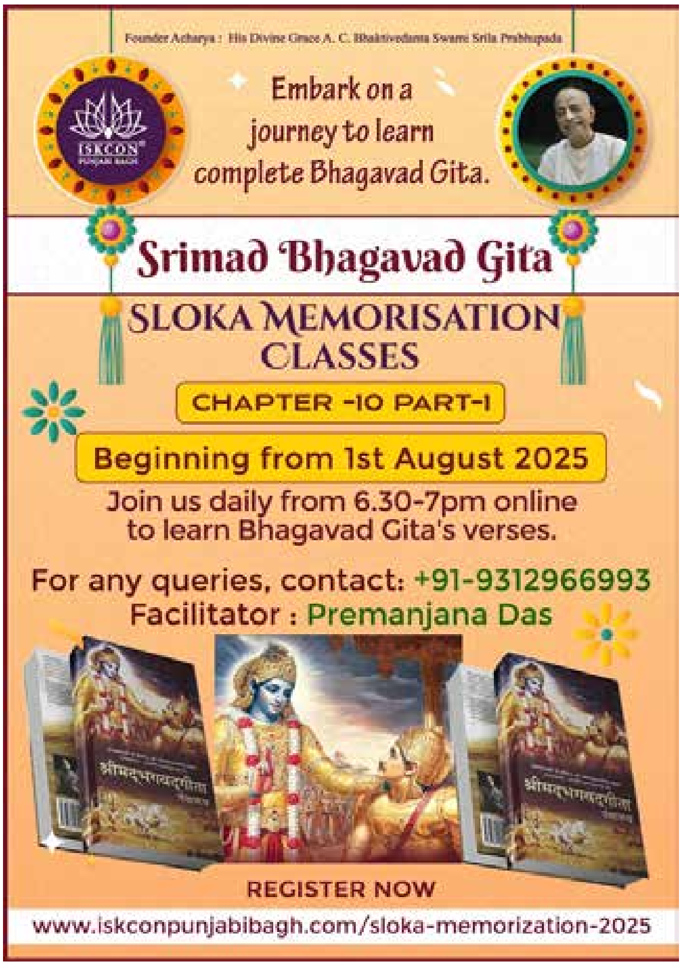

Jhulan yatra Begins (5th August)

Monsoon is the time for enjoying the showers, the green, enchanting groves and cooling breeze. Their Lordships grace a swing, and relish the service offered by the devotees, who move it, to give pleasure to the Divine Couple. This festival will begin on 5th August.

Disappearance Day of Srila Rupa Goswami
(6th August)
(ISKCON, East of Kailash)

Rupa Goswami is one of the principle acharyas of the

आगामी कार्यक्रम

श्लोक – गोलोक का एक मार्ग!
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

1 अगस्त से, श्रीमान प्रेमांजन प्रभु प्रतिदिन श्लोक स्मरण सत्र आयोजित करेंगे। ये सत्र भगवद्गीता के दसवें अध्याय पर केंद्रित होंगे - एक ऐसा अध्याय जो कृष्ण के ऐश्वर्य और उनकी सर्वोच्चता को गहन ध्यानमग्न विधि से प्रकट करता है। ये सत्र सुव्यवस्थित एवं सरल हैं - सभी के लिए खुले हैं, चाहे वे पूर्व के मॉड्यूल से जुड़े हो अथवा प्रथम बार शामिल हो रहे हों। ISKCON पंजाबी बाग द्वारा आयोजित इस श्लोक स्मरण श्रृंखला में, इससे पूर्व अध्याय 7, 8, 9 तथा 12 को कवर किया जा चुका है।

झूलन यात्रा प्रारंभ (5 अगस्त)

वर्षा ऋतु वह समय है जब हरियाली, मनमोहक कुंजों, शीतल पवन एवं वर्षा की फुहारों का आनंद लिया जाता है। इस समय श्री श्री राधा-कृष्ण अपने भक्तों द्वारा सजाए गए झूले पर विराजमान होते हैं एवं भक्तगण झूला झुलाकर युगल सरकार को प्रसन्न करते हैं। यह सुंदर उत्सव 5 अगस्त से आरंभ होगा।

श्रील रूप गोस्वामी की तिरोभाव तिथि (6 अगस्त)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

रूप गोस्वामी जी गौड़ीय परंपरा के प्रमुख आचार्यों में से एक हैं। उनके ग्रंथ एवं उपदेश आज भी भक्तों का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी तिरोभाव तिथि भक्तों के लिए अपने आध्यात्मिक संकल्पों का पुनः स्मरण करने एवं उन्हें आचार्यों द्वारा स्थापित मानकों पर परखने का अवसर है।

बलराम जयंती (9 अगस्त)

भगवान् बलराम, श्रीकृष्ण के प्रथम विस्तार स्वरूप हैं। वे सेवा के मानक स्थापित करते हैं। आदि-गुरु होने के नाते, भगवान् बलराम ही श्रीकृष्ण को प्राप्त करने का माध्यम हैं। भगवान् बलराम की कृपा के बिना भगवद्-प्रेम की प्राप्ति संभव नहीं है। भगवान् बलराम का प्राकट्य दिवस अभिषेक के साथ मनाया जाएगा, जिसमें संकीर्तन, मधुर भजन एवं नृत्यरत भक्तों के बीच यह आयोजन संपन्न होगा। अभिषेक के पश्चात भव्य प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। 9 अगस्त को झूलन यात्रा का समापन भी होगा। इस शुभ अवसर पर भगवान् की सेवा का लाभ लेने हेतु बड़ी संख्या में भक्तगण मंदिर में एकत्र होंगे।

श्री बलराम पूर्णिमा महोत्सव (9 अगस्त 2025)
(इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

इस्कॉन छिपिवाड़ा, आप सभी भक्तों को शनिवार, 9 अगस्त 2025 को संध्या 5:00 बजे से श्री श्री राधा वल्लभ मंदिर, छिपिवाड़ा में श्री बलराम पूर्णिमा के भव्य उत्सव में आमंत्रित करता है। यह पावन उत्सव शक्ति, सेवा एवं आध्यात्मिक सुरक्षा के सर्वोच्च स्रोत, भगवान् बलराम के दिव्य अवतरण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में महा अभिषेक, महिमा वर्णन प्रवचन, 56 भोग अर्पण, भावपूर्ण कीर्तन एवं आनंदमय नृत्य शामिल होंगे। सभी उपस्थित भक्तों को स्वादिष्ट महाप्रसाद भोज परोसा जाएगा। आइए, हम भगवान् बलराम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, जो हमारी भक्ति को प्रबल बनाने वाले हैं तथा भक्तों की रक्षा करते हैं। अपने परिवार एवं मित्रों को साथ लाएँ और भगवान् बलराम के चरण कमलों की शरणागति की अनुभूति करें।

Gaudiya tradition. His books and instructions continue to guide devotees. His disappearance day is one for the devotees to revisit their spiritual vows, assess them on the parameters established by the acharyas.

Balarama Jayanti (9th August)

Lord Balarama is the first expansion of the Lord. He establishes standards of service, being the Adi-Guru, Lord Balarama is the medium to attain Krishna. Without the mercy of Lord Balarama, Love for Godhead cannot be attained. The appearance day of Lord Balarama will be celebrated with abhishek, conducted amongst kirtan, melodious chanting and dancing devotees. Sumptuous feast will be organised after the abhishek.

Jhulan Yatra will end on 9th August. Devotees will throng to the temple to make most of the opportunity to offer service to Their Lordships.

Sri Balaram Purnima Mahotsav (9th August 2025) (ISKCON, Chhipiwara)

ISKCON Chhipiwara invites all devotees to the grand celebration of Sri Balaram Purnima on Saturday, 9th August 2025, from 5:00 PM onwards at the Sri Sri Radha Vallabh Mandir, Chhipiwara. This festival marks the divine appearance of Lord Balaram, the supreme source of strength, service, and spiritual protection. The event will include a Maha Abhishek, glorification lecture, 56 Bhoga offering, soulful kirtans, and ecstatic dance. A delicious feast prasadam will be served to all. Let us gather in gratitude to Lord Balaram, who empowers all devotional service and protects the devotees. Bring your family and friends and experience the shelter of Lord Balaram's lotus feet.

Second month of caturmasya begins (10th August)

Second month of caturmasya begins on 10th, this month devotees will abstain from consuming yogurt.

Nandotsav Craft Competition fi Celebrate Creativity with Devotion (10th Aug 25) (ISKCON, Chhipiwara)

As part of the joyful Janmashtami and Nandotsav celebrations, ISKCON Chhipiwara is organizing an engaging Nandotsav Craft Competition on 10th August 2025. This unique event invites young devotees to offer their creativity to Krishna through art. The competition is divided into three age categories: Flute Decoration (4–7 yrs), Matki Decoration (8–12 yrs), and Upcycled Wall Toran (13–18+ yrs). Basic materials will be provided at the venue to ensure an equal platform for all. All participants will receive appreciation gifts, and winners will be awarded special prizes. This initiative offers children a devotional opportunity to express their love for Krishna and be part of the Janmashtami spirit in a joyful, artistic, and interactive way.

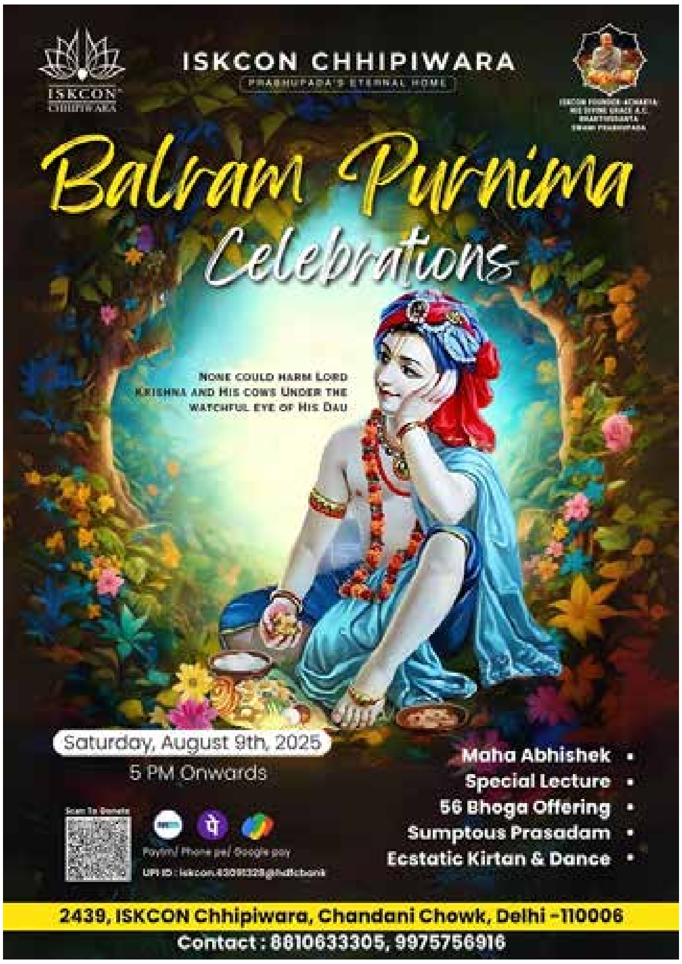

चातुर्मास्य का द्वितीय मास प्रारंभ होगा (10 अगस्त)

चातुर्मास्य का दूसरा महीना 10 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है, इस माह भक्त दही का सेवन नहीं करेंगे।

नंदोत्सव शिल्प प्रतिस्पर्धा - भक्ति के साथ सृजनात्मकता का उत्सव (10 अगस्त 2025) (इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं नंदोत्सव के आनंदमय उपलक्ष्य में, इस्कॉन छिपिवाड़ा 10 अगस्त 2025 को एक विशेष आकर्षक नंदोत्सव शिल्प प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस अनूठे आयोजन में बाल भक्तों को कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता श्रीकृष्ण को अर्पित करने का अवसर प्राप्त होगा। प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में विभाजित है: बाँसुरी सजावट (4-7 वर्ष), मटकी सजावट (8-12 वर्ष) तथा पुनर्चक्रित भित्ति तोरण(दीवार लटकन) बनाना (13-18+ वर्ष)। सभी प्रतिभागियों को समान अवसर प्रदान करने हेतु मूलभूत सामग्री आयोजन स्थल पर ही उपलब्ध कराई जाएगी। सभी प्रतिभागियों को प्रशंसात्मक उपहार दिए जाएँगे एवं विजेताओं को विशेष पुरस्कार दिए जाएँगे। यह आयोजन बच्चों को भक्ति भाव से ओतप्रोत एक रचनात्मक, आनंददायक तथा सहभागितापूर्ण वातावरण प्रदान करता है, जहाँ वे कृष्ण के प्रति अपना प्रेम अभिव्यक्त कर सकते हैं और जन्माष्टमी की उमंग में सहभागी बन सकते हैं।

Sri Krishna Janmashtami (16th August)

The Lord appears again and again, to re-establish principles of dharma and exhibit His pastimes to lure living entities back to Godhead. His appearance and his pastimes are both transcendental, relished by the devotees who dwell on them to make their connection with the Lord, deeper and eternal. Janmashtami is the appearance of Lord Krishna. It will be celebrated with much fervour and zeal. From a week before the day, devotees will assemble to relish Krishna katha. A shobha yatra will be organized, to make Their Lordships offer Their benign darshans to even those who do not climb the stairs of the temple. On the day of Janmashtami, the temple will be decorated with flowers and festoons. The deities will be dressed in beautiful fineries, offering Their darshans to lacs of devotees who visit the temple, on this day. Thousands of dishes, made lovingly with the hands of the devotees, will be offered to the Lord. Kirtan will resound in all directions. Dancing and chanting devotees will feel absolute bliss in their hearts. Devotees will fast till midnight, to immerse themselves in service and remembrance of the Lord.

Grand Janmashtami Celebration (15th-16th August 25) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka warmly invites all devotees and well-wishers to join the Grand Janmashtami Celebrations on 15th and 16th August 2025, to celebrate the divine appearance of Lord Sri Krishna. The festivities will begin on 15th August with a Dance & Music Festival by kids, the Adivasa Ceremony, and a Special Mantra Show. On Janmashtami day, 16th August, the temple will host Mangala Arti, Kalash Abhishekam, Prasadam distribution, and an Inter School Theatre Festival with devotional performances. The celebration will culminate with the Maha Abhishekam and Midnight Maha Arti, welcoming Lord Krishna with joy and devotion.

Sri Krishna Janmashtami Mahotsav - 16th August 2025 (Saturday) (ISKCON, Chhipiwara)

ISKCON Chhipiwara cordially invites you and your family to the grand celebration of Sri Krishna Janmashtami on Saturday, 16th August 2025. This sacred night marks the

श्री कृष्ण जन्माष्टमी (16 अगस्त)

धर्म के सिद्धांतों की पुनर्स्थापना एवं अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से जीवात्माओं को पुनः भगवद् धाम की ओर आकर्षित करने हेतु भगवान् श्रीकृष्ण पुनः पुनः इस धरा धाम पर अवतरित होते हैं। उनका प्राकट्य एवं उनकी लीलाएँ दोनों ही दिव्य तथा आध्यात्मिक होती हैं, जिन्हें भक्तजन आनंदपूर्वक स्मरण करते हैं, जिससे उनका भगवान् से संबंध और भी गहन तथा शाश्वत हो जाता है। जन्माष्टमी भगवान् कृष्ण का अवतरण दिवस है। इसे पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाएगा। जन्माष्टमी के एक सप्ताह पूर्व से ही भक्तगण कृष्ण कथा का रसपान करने हेतु एकत्रित होंगे। एक शोभायात्रा निकाली जाएगी जिससे भगवान् का मंगलदायी दर्शन उन लोगों को भी प्राप्त हो सके जो मंदिर की सीढ़ियाँ नहीं चढ़ते। जन्माष्टमी के दिन मंदिर को फूलों एवं बंदनवारों से भव्य रूप से सजाया जाएगा। इस दिन भगवान् को सुंदर पोशाकों एवं आभूषणों से सजाया जाएगा तथा लाखों भक्तों को वे अपने दर्शन देंगे। भक्तों द्वारा प्रेमपूर्वक बनाए गए हजारों व्यंजन भगवान् को अर्पित किए जाएंगे। चारों ओर कीर्तन की गूंज होगी। नाचते-एवं संकीर्तन करते हुए भक्तगण हृदय में अपार आनंद का अनुभव करेंगे। भक्तजन मध्य रात्रि तक उपवास रखेंगे जिससे कि वे भगवान् की सेवा और स्मरण में स्वयं को पूर्णतः समर्पित कर सकें।

भव्य जन्माष्टमी उत्सव (15-16 अगस्त 2025) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका, सभी भक्तों एवं शुभचिंतकों को 15 और 16 अगस्त 2025 को भगवान् श्री कृष्ण के दिव्य प्राकट्य उत्सव, भव्य जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने हेतु सादर आमंत्रित करता है। महोत्सव का शुभारंभ 15 अगस्त को बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं संगीत उत्सव, अधिवास समारोह तथा एक विशेष मंत्र शो के साथ होगा। जन्माष्टमी के दिन, 16 अगस्त को, मंदिर में मंगला आरती, कलश-अभिषेक, प्रसाद वितरण तथा एक अंतर-विद्यालयीन नाट्य महोत्सव में भक्ति से ओतप्रोत रंगारंग प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएँगी। समारोह का समापन महा अभिषेक एवं मध्यरात्रि में महा आरती के साथ होगा, जिसमें पूरे उल्लास एवं भक्ति भाव से भगवान् श्रीकृष्ण का स्वागत किया जाएगा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव - 16 अगस्त 2025 (शनिवार) (इस्कॉन, छिपिवाड़ा)

इस्कॉन छिपिवाड़ा आपको एवं आपके परिवार को शनिवार, 16 अगस्त 2025 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के भव्य महोत्सव में सादर आमंत्रित करता है। यह पावन रात्रि पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् श्री कृष्ण के दिव्य प्राकट्य का प्रतीक है। इस महोत्सव में महाअभिषेक, श्रृंगार-दर्शन,

divine appearance of Lord Krishna, the Supreme Personality of Godhead. The festival will feature Maha Abhishek, Shringar Darshan, special lecture, 56 Bhoga offering, Little Vaikuntha Players' drama, soulful kirtan and dance, and sumptuous prasadam. The temple will be decorated beautifully with traditional Vedic décor, creating a spiritual ambiance for all. Join us in welcoming Nandlal with heartfelt devotion, lamps, music, and offerings. Let this Janmashtami be a night of divine connection and spiritual transformation.

Appearance of Srila Prabhupada (17th August)

Appearance of Srila Prabhupada is a day to be spent in gratitude and reverence. Srila Prabhupada appeared to deliver living entities from all over the world. He made love for Godhead, that Sri Caitanya Mahaprabhu made so easily available, accessible to the world, without discrimination of nation, caste, colour and race.

विशेष प्रवचन, 56 भोग अर्पण, लिटिल वैकुण्ठ प्लेयर्स की नाटिका, भावपूर्ण कीर्तन और नृत्य, तथा भव्य प्रसादम शामिल रहेगा। मंदिर को पारंपरिक वैदिक साज-सज्जा से सुंदर रूप से सजाया जाएगा, जिससे सभी को एक आध्यात्मिक वातावरण की अनुभूति होगी। आइए! दीपों, संगीत एवं भक्ति तथा समर्पण के साथ नंदलाल का स्वागत करें। यह जन्माष्टमी आपके जीवन में दिव्यता एवं आध्यात्मिक परिवर्तन का संकल्प बने।

श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (17 अगस्त)

श्रील प्रभुपाद की प्राकट्य तिथि कृतज्ञता एवं श्रद्धा के साथ मनाने का दिन है। श्रील प्रभुपाद समस्त संसार के जीवों का उद्धार करने हेतु अवतरित हुए। उन्होंने बिना किसी देश, जाति, वर्ण या रंग का भेद किए भगवद् प्रेम को, सम्पूर्ण विश्व हेतु सहज और सुलभ बना दिया, जिसे श्री चैतन्य महाप्रभु ने सभी के लिए प्रकट किया था।

JANMASHTAMI MEDITATION

Krishna is committed to our freedom. Are we?

Freedom. All of us want it. Some people strive for political freedom; others for cultural freedom. Almost everyone craves for financial freedom: the independence to spend as per desire without having to bother whether enough will be left to pay for necessary expenses.

The Supreme Freedom

Gita wisdom introduces us to a new kind of freedom: spiritual freedom. What is spiritual freedom? It is the freedom to delight in our own spiritually joyful nature, the freedom to be happy without depending on anything external for our happiness. As spiritual beings, we are sat-cit-ananda, eternal, enlightened and ecstatic. When we situate ourselves in our original spiritual nature, we become free to delight everlastingly in our loving relationship with Krishna, who is the supreme reservoir of all joy, love and beauty.

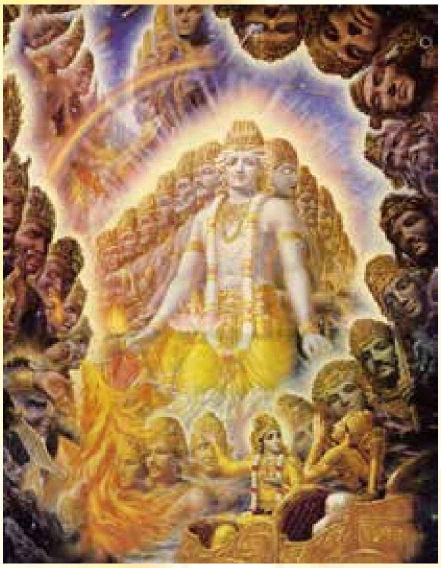

This spiritual freedom is the supreme freedom because, in a single stroke, it fulfills the ultimate purpose of all other freedoms: happiness. We seek political, cultural and financial freedoms because we feel that their absence blocks our pursuit of happiness. Unfortunately, our freedom struggles overlook the greatest freedom-blocker: materialism. When materialism brings us in its clutches, it perverts our sense of identity, making us imagine that we are our material bodies. This perversion makes us intrinsically, inescapably dependent on external material things for our happiness: "As I am a material being, I need material things to be happy. What can be more obvious than that?"

What is far less obvious is that this notion steals our freedom to be happy in ourselves, in our own internal devotional connection with Krishna.

Most of us are oblivious to this theft of our freedom. But Krishna isn't.

Krishna„s Divine Dynamism

He is unfailingly, unflinchingly committed to our freedom. He knows that we can reclaim our freedom only when we first get the knowledge of our spiritual identity and destiny; this knowledge makes us aware of the freedom we have lost. That's why Krishna himself shares spiritual knowledge and also sets up the system of parampara for the subsequent dissemination of that knowledge. The fourth chapter of the Bhagavad-gita (4.1-3) outlines how Krishna arranges all these resources by which we can reclaim our spiritual freedom.

Krishna's concern for our freedom is so great that it doesn't let him stay satisfied with making background

arrangement; it impels him to spring into foreground involvement. Whenever he observes that materialism has started trumping spirituality (dharmasya glanih), he personally descends to the world to offer us a double reminder of what we are missing.

Firstly, he makes available once again the systematic philosophical knowledge that makes our spiritual potential transparently, temptingly reachable. In the Bhagavad-gita, he delineates the path of devotion that enables us to easily and efficaciously reclaim our spiritual freedom.

Secondly, he demonstrates the reality, the sublimity, the beauty of this freedom by revealing his eternal pastimes with his devotees. These celebrations of unending love show how our longings for freedom that we are mistakenly striving to fulfill at the material level are naturally fulfillable at the spiritual level.

The Gentle-Yet-Grave Reminder

Janmashtami, the day when Krishna descends to our world, is a poignant reminder of how committed Krishna is to our freedom. This day offers us a precious opportunity to ponder on Krishna's total and tireless commitment to our freedom.

If we had but a fraction of the commitment to our spiritual freedom that he has, we would have been free from materialism a long time ago. However, we are so thoroughly deluded by materialistic propaganda that we mistake spirituality to be incarceration materialism to be liberation.

Gita wisdom helps us realize how treacherous this misconception is. If we just ponder on the vast number of our unsatisfied material desires, on the sheer impossibility of fulfilling them and on the futility of the fleeting happiness that they offer even if we succeed in fulfilling them, we can recognize that materialism is the expressway to incarceration.

Krishna makes himself available in this age as his holy names. The Hare Krishna mahamantra is Krishna's sound manifestation that offers us all the blessings that his personal presence can offer. All we need to do is give up our lethargy in connecting with Krishna.

Janmashtami prods us out of our spiritual lethargy by the gentle yet grave question: Krishna is committed to our freedom. Are we?

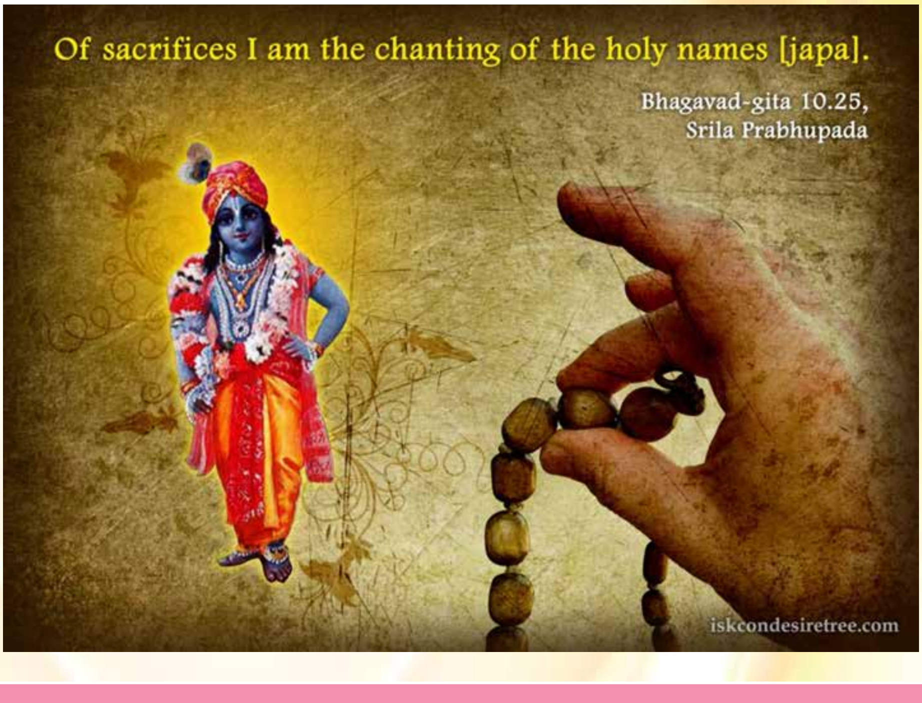

Radhashtami (31st August)

Radharani is the pleasure potency of the Lord. Devotees take Her shelter, to learn what pleases the heart of the Lord. She is the one who attracts Him, who is the most attractive, in all of creation. She is an embodiment of love for Krishna and an epitome of the desire to please Him. Radhashtami will be celebrated with an elaborate abhishek, conducted amidst kirtan and chanting. Devotees will pray at Her lotus feet, for desire to serve and be part of the Lord's pastimes, eternally.

राधाष्टमी (31 अगस्त)

राधारानी भगवान् की आह्लादिनी शक्ति हैं। भक्तगण, यह जानने के लिए उनका आश्रय लेते हैं, कि भगवान् के हृदय को क्या प्रिय है ? वे ही हैं जो सम्पूर्ण सृष्टि में सर्वाकर्षक भगवान् श्रीकृष्ण को भी आकृष्ट करती हैं। वे कृष्ण प्रेम की प्रतिमूर्ति एवं उन्हें प्रसन्न करने की इच्छा की साक्षात् प्रतिमान हैं। राधाष्टमी का उत्सव कीर्तन एवं मंत्रोच्चार के मध्य भव्य अभिषेक के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण राधारानी के चरणों में प्रार्थना करेंगे कि उनके हृदय में सेवा की प्रगाढ़ भावना उत्पन्न हो और वे भगवान् की लीलाओं में सदा के लिए सहभागी बन सकें।

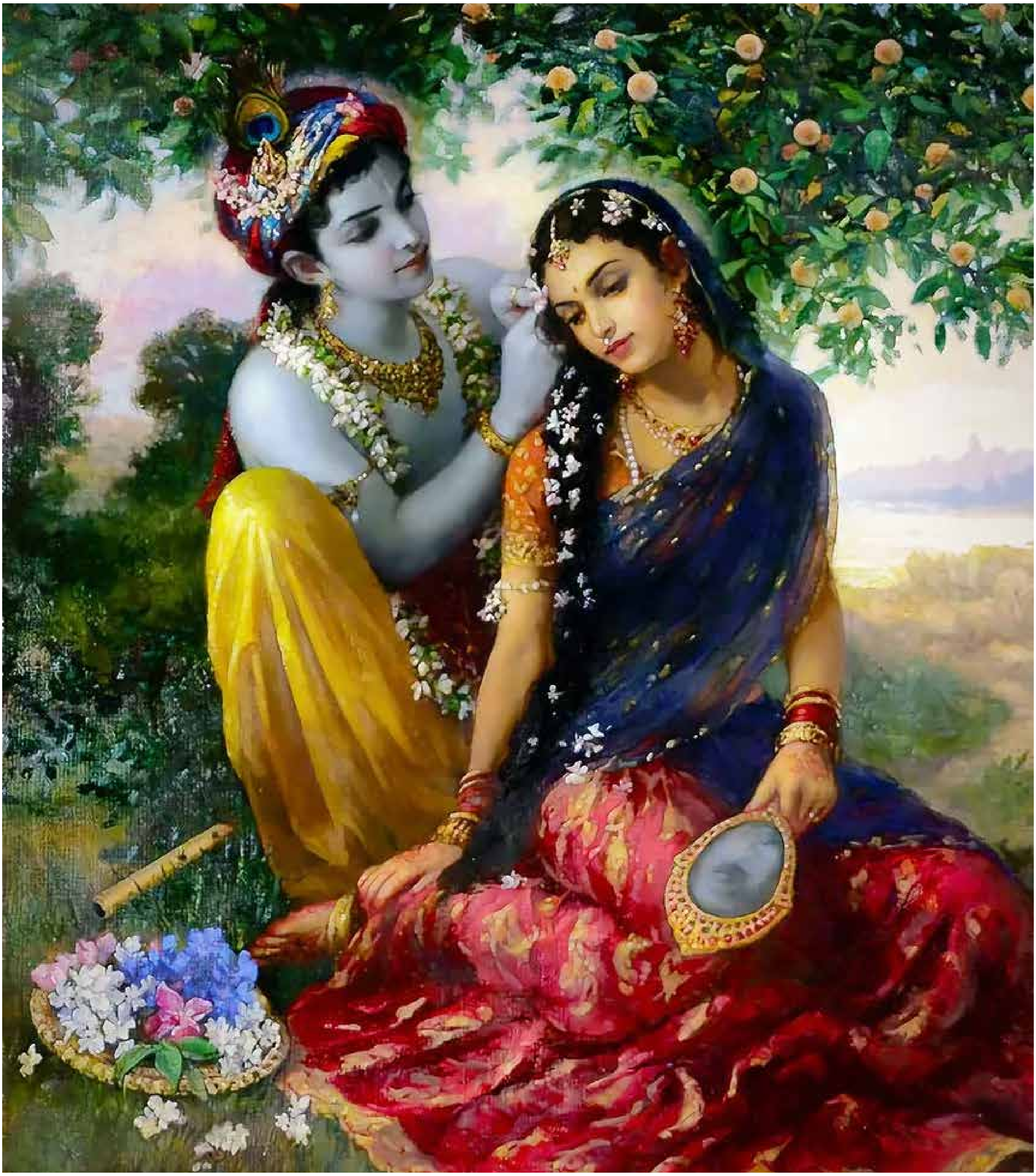

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

---

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507,
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969, Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple Chippiwara - 2439, Chippiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 08810633305

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center 12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**